News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

01 नवम्बर, 2021

वित्त समिति की 47वीं बैठक आयोजित

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, वित्त समिति की 47वीं बैठक दिनांक 01 नवम्बर 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 सीमा सिंह, माननीया कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। सर्वप्रथम माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह ने वित्त समिति के मा0 सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, उ0 प्र0 शासन की ओर से डॉ0 राजीव पाण्डेय, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, श्री बी.के.सिंह, पूर्व आयुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, सचिव, वित्त विभाग, उ0 प्र0 शासन को ओर से श्री प्रमोद कुमार सिंह, अपर निनदेशक, पेंशन एवं कोषागार, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आमंत्रित), प्रो0 पी0पी0 दुबे, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री डी.पी. सिह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

02 नवम्बर, 2021

मुक्त चिन्तन

विद्या परिषद की 69वीं बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 69वीं बैठक दिनांक 02 नवम्बर, 2021 को 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन0 के0 राना, भूगोल विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 डी0के0 सिंह, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी) मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा/ कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो0 ए.आर. सिद्दोकी एवं प्रो0 आर.के. सिंह सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी का स्वागत किया।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
08 नवम्बर, 2021

प्रोफेसर क0एन0 सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के हैं कुलपति

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध –प्रोफेसर सिंह

दिनांक 08 नवम्बर, 2021 को अपराह्न 3:00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संक्षिप्त परिचर्चा का आयोजित की गयी। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति एवं दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (गया), बिहार के वर्तमान कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी का विश्वविद्यालय परिवार द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 पी पी दुबे ने किया ।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, प्रो0 पी के पाण्डय, प्रो0 जी0 एस0 शुक्ल, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 एस कुमार, श्री डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रा0 ओम जी गुप्ता एवं मंचासीन मा0 अतिथि

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

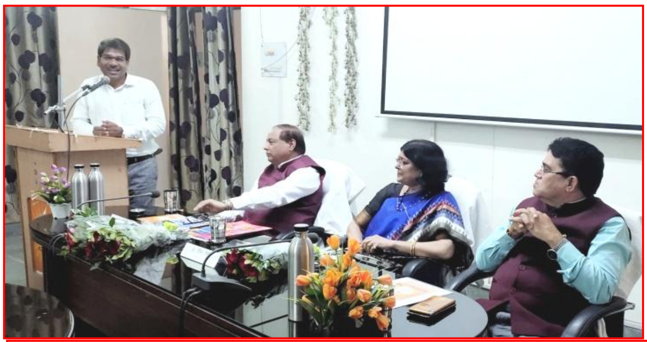

कार्यक्रम में
अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए
(क्रमशः) प्रो० पी के पाण्डये, प्रो० जी० एस० शुक्ल,
प्रो० सत्यपाल तिवारी, प्रो० एस कुमार,
श्री डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा,
डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव।

अतिथि सम्मान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति एवं दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (गया), बिहार के वर्तमान कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी को अंगवस्त एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 ओम जी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी. सिंह एवं कुलसचिव प्रो0 पी पी दुबे ने किया ।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

मुख्य अतिथि का उदबोधन्

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवन्तता का बोध : प्रो0 के0एन0 सिंह

मा0 कुलपति प्रो0 कामश्वर नाथ सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोध गया के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है।

सभागार मे उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

अध्यक्षीय उदबोधन्

शिक्षक हमेशा सीखता रहता है : प्रो0 सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रा0 सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव प्रो0 पी0पी0 दुबे जी।

वर्ष : 28 | अंक : 7
प्रतापगढ़ | मंगलवार , 9 नवम्बर -2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

प्रोफेसर केएन सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के हैं कुलपति

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोधः प्रोफेसर सिंह

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं।मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया।इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

राज एक्सप्रेस
भोपाल

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध : प्रो. सिंह

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ न कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है। इस दौरान प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

अनुराग दर्शन

प्रोफेसर केएन सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध -प्रोफेसर सिंह

(अनुराग शुक्ला) प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं।मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया । इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

प्रोफेसर केएन सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के हैं कुलपति

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध -प्रोफेसर सिंह

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं है। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई है।

मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में है। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया ।इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, मंगलवार 9 नवम्बर 2021

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध : प्रो. सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं है। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई है। मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रो. पी के पांडे, प्रोफेसर जीएस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, डीपी सिंह, डा.अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,मंगलवार 09 नवम्बर, 2021

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध -प्रोफेसर सिंह

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के है कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं है। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई है।

मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है।

इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में है। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया ।इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, श्री डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत
www.tijaratnews.com

विश्वविद्यालय में होना चाहिए जीवंतता का बोध : प्रोफ़ेसर सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में अच्छा करने का प्रयास संतुष्टि का भाव उत्पन्न करता है। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है। प्रयास करेंगे कि शिक्षिकत्व को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को नैक से ग्रेडिंग दिलाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में हर तरह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर आगे ले जाकर देश का गौरव बढ़ाने में हम सभी का योगदान होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर ओम गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफ़ेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रोफ़ेसर पी के पांडे, प्रोफ़ेसर जी एस शुक्ल, प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफ़ेसर एस कुमार, श्री डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

प्रयागराज, मंगलवार, 9 नवम्बर, 2021
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

प्रोफेसर केएन सिंह का स्वागत करते हुए

प्रो. केएन सिंह का हुआ मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवंत संस्थाएं हैं। इसलिए जीवंतता का बोध होना चाहिए। नई शिक्षा नीति कई अच्छाइयां लेकर आई हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बिना जीवन दृष्टि के जीवन निरर्थक है, इसलिए विश्वविद्यालय के लिए कुछ ना कुछ अच्छा करने का भाव होना चाहिए। यहां के शिक्षकों को इस बात का गर्व और गौरव होना चाहिए कि उन्हें इतना बड़ा विश्वविद्यालय मिला है। जिसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश में है। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, डी पी सिंह, डॉ अतुल मिश्रा, डॉ सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ साधना श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

11 नवम्बर, 2021

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 11 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस** के अवसर पर **जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम** पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। उक्त कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल जी रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री अमित कुमार सिंह ने किया। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम में ऑफलाइन के साथ–साथ ऑनलाइन कई प्रतिभागी जुड़े।

याख्यान का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं मंचासीन मा0 अतिथि

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई शैक्षणिक परामर्शदाता, डॉ0 दीप्ती श्रीवास्तव

ब्लू लाइट्स का कम से कम प्रयोग करें– प्रो0 शुक्ल

प्रो0 जी.एस. शुक्ल

प्रो0 जी.एस. शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उन्होंने कहा कि नींद बहुत आवश्यक है। अच्छी नींद के लिए अपने को स्वस्थ रखिए।

जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95: बीमारियां रुक जाती। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। उन्होंने कहा कि उपवास की आदत सभी को डालनी चाहिए। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक को अपने विद्यार्थी को देखकर उसके भावों को भांप लेना चाहिए। शिक्षक ही अपने छात्रों के अंदर सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े– कुलपति

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने प्रोफेसर शुक्ल के व्याख्यान को काफी लाभदायक बताते हुए कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। प्रोफेसर सिंह ने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है। जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं दी। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे, तभी देश को अच्छे नागरिक दे सकेंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए श्री अमित कुमार सिंह

हर बात — प्रयागराज

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े- कुलपति

ब्लू लाइट्स का कम से कम प्रयोग करें : प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को व्यक्त किए। प्रोफेसर शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नींद बहुत आवश्यक है। अच्छी नींद के लिए अपने को स्वस्थ रखिए। जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95% बीमारियां रुक जाती। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है।

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। उन्होंने कहा कि उपवास की आदत सभी को डालनी चाहिए। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक को अपने विद्यार्थी को देखकर उसके भावों को भांप लेना चाहिए। शिक्षक ही अपने छात्रों के अंदर सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने प्रोफेसर शुक्ल के व्याख्यान को काफी लाभदायक बताते हुए कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। प्रोफेसर सिंह ने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है। जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं दी। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे, तभी देश को अच्छे नागरिक दे सकेंगे। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम में ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन कई प्रतिभागी जुड़े।

अमर चेतना

(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, शुक्रवार, 12 नवम्बर 2021 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था का सदुपयोग कर बने खुशहाल : प्रो शुक्ल

❑ आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े: कुलपति ❑ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर मुक्त विवि में संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज, (संवाददाता)। मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को व्यक्त किया। प्रोफेसर शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95 बीमारियां रुक जाती। उन्होंने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक-एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। उन्होंने कहा कि उपवास की आदत सभी को डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षकों को अपने विद्यार्थी को देखकर उसके भावों को भांप लेना चाहिए। शिक्षक ही अपने छात्रों के अंदर सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। उन्होंने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की। कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है। जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। कुलपति ने सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं दी। कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे, तभी देश को अच्छे नागरिक दे सकेंगे। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया।

---

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

लखनऊ शुक्रवार • 12 नवम्बर • 2021

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े : कुलपति

प्रयागराज। ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को कहीं। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। उन्हेंने कहा कि जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95 प्रतिशत बीमारियां रुक जाती। प्रो. शुक्ल ने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लाक मस्तिष्क में लगी है। अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है। इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। कुलपति ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है। जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। इस दौरान व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डा. मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम में बोलती कुलपति प्रो. सीमा सिंह। फोटो : एसएनबी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार 12 नवम्बर 2021

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े : कुलपति

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को व्यक्त किया। प्रोफेसर शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के

अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नींद बहुत आवश्यक है। अच्छी नींद के लिए अपने को स्वस्थ रखिए। जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95: बीमारियां रुक जाती। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम में ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन कई प्रतिभागी जुड़े।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक — सच का आधार

प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था का सदुपयोग कर बने खुशहाल : प्रो शुक्ल

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े : कुलपति
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर मुक्त विवि में संगोष्ठी का आयोजन

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को व्यक्त किया। प्रोफेसर शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95 बीमारियां रुक जाती। उन्होंने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक-एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है।

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। उन्होंने कहा कि उपवास की आदत सभी को डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षकों को अपने विद्यार्थी को देखकर उसके भावों को भांप लेना चाहिए। शिक्षक ही अपने छात्रों के अंदर सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। उन्होंने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की। कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है। जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। कुलपति ने सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं दी। कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे, तभी देश को अच्छे नागरिक दे सकेंगे। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया।

दैनिक जागरण — युवा जागरण

आधुनिक जीवनशैली से बढ़े गैरसंचारी रोग : कुलपति

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहाकि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। हम सभी का जीवन बहुमूल्य है। इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। वह गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहीं थीं।

कुलपति ने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की। कहाकि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ आ गई है। इसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड की समस्या प्रमुख है। स्वास्थ्य विज्ञान

संगोष्ठी में बोलती कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह • साभार : विश्वविद्यालय

विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहाकि मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95 फीसद बीमारियां रुक जातीं। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डा. मीरा पाल एवं धन्यवाद अमित कुमार सिंह ने ज्ञापित किया।

• वर्ष : 14
• अंक : 279
• प्रातः कालीन संस्करण
• लखनऊ
• शुक्रवार, 12 नवम्बर 2021
• पृष्ठ : 12
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

तिजारत — राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

आधुनिक जीवन शैली से गैर संचारी रोग बढ़े: कुलपति

▶▶ब्लू लाइट्स का कम से कम प्रयोग करें: प्रोफ़ेसर शुक्ल

▶▶राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने गुरुवार को फाफामऊ स्थित मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

प्रोफ़ेसर शुक्ल राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नींद बहुत आवश्यक है। अच्छी नींद के लिए अपने को स्वस्थ रखिए। जैविक घड़ी का साथ अगर इंसान ने दिया होता तो आज 95% बीमारियां रुक जाती। प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि 100 में 95 लोगों को पेट नहीं साफ होने की समस्या है। जिस वजह से पेट साफ करने के उत्पादों के विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि शरीर की एक एक कोशिका में घड़ी है। जीवन का संचालन इन्हीं घड़ियों से हो रहा है और मास्टर क्लॉक मस्तिष्क में लगी है। प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि ब्लू लाइट्स का प्रयोग कम से कम करिए। सूर्य के प्रकाश में अधिक से अधिक रहिए। प्रातः प्रोटीन वाला नाश्ता स्वास्थ्यवर्धक रहता है। उन्होंने कहा कि उपवास की आदत सभी को डालनी चाहिए। प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि अनियमित दिनचर्या से लोग अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक को अपने विद्यार्थी को देखकर उसके भावों को भांप लेना चाहिए। शिक्षक ही अपने छात्रों के अंदर सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने प्रोफ़ेसर शुक्ल के व्याख्यान को काफी लाभदायक बताते हुए कहा कि हम सभी का जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। प्रोफ़ेसर सिंह ने मानव जैविक घड़ी एवं प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए आरोग्य पूर्ण जीवन के विविध पक्षों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है।

हिन्दुस्तान — तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com — युवा — हिन्दुस्तान 04

आधुनिक जीवन शैली से बढ़े गैर संचारी रोग: कुलपति

मुविवि

प्रयागराज | संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए। जीवन बहुमूल्य है, इसकी कीमत सभी को समझनी पड़ेगी। आधुनिक जीवन शैली एवं मानव जैविक घड़ी के बीच वर्तमान में सही तारतम्य न होने के कारण समाज में विविध प्रकार के गैर संचारी रोगों की बाढ़ सी आ गई है।

वह राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के तिलक शास्त्रार्थ सभागार में जैविक मानव जैविक घड़ी सरकेडीयन रिदम पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन कर रहीं थीं। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि मानव जैविक घड़ी का सदुपयोग करके अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। यह प्रकृति प्रदत्त व्यवस्था है। जीवन का सम्मान करिए। पर्याप्त नींद लीजिए एवं समय पर जागिए। संचालन डॉ. मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार सिंह ने किया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

12 नवम्बर, 2021

मुक्त चिन्तन

कार्य परिषद् की 121वीं बैठक आयोजित

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 121वीं बैठक दिनांक 12 नवम्बर, 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक को अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

कार्य परिषद के माननीय सदस्य माननीय न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार जी, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज) एवं डॉ0 गोविन्द शेखर जी, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई मा0 कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी।

माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी (विशेष आमंत्रित) एवं डॉ0 पी0पी0 दुबे, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

दैनिक जागरण
युवा जागरण 38

मुवि में ज्योतिष और कर्मकांड की पढ़ाई को मिली हरी झंडी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मे शुक्रवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह की अध्यक्षता मे कार्य परिषद की बैठक मे शामिल सदस्य ● साभार : विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र से ज्योतिष और कर्मकांड की पढ़ाई को हरी झंडी मिल गई। इसके अलावा निरक्षर महिलाओं के लिए पांच नए वोकेशनल पाठ्यक्रम (घरेलू बागवानी, हस्तशिल्प व दस्तकारी, सिलाई, चित्रकारी, पाककला) में दाखिले को भी मंजूरी मिल गई। यह फैसला कुलपति प्रोफेसर सीमा इक्ष्सह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्य परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार गुप्ता ने नए सत्र से मुख्य परिसर समेत उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों (प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, कानपुर, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर, अयोध्या) के अलावा उनसे संबद्ध सभी १३०० अध्ययन केंद्रों पर ज्योतिष और कर्मकांड की पढ़ाई कराने का प्रस्ताव तैयार किया था। इसमें १२वीं उत्तीर्ण ऐसे छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा, जिन्होंने संस्कृत का अध्ययन एक विषय में अनिवार्य तौर पर किया हो। शुक्रवार को इस प्रस्ताव पर कार्य परिषद ने सर्वसम्मति से मुहर लगा दी।

अमर उजाला
युवा

मुक्त विवि में होगी ज्योतिष और कर्मकांड में डिप्लोमा की पढ़ाई

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से कार्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा की पढ़ाई होगी। साथ ही निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों के लिए कौशल विकास में प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। यह निर्णय शुक्रवार को हुई मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में लिए गए।

बैठक में शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी खोला गया, जिसमें कार्य परिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ. सिंह वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। कार्य परिषद ने बीएड एवं बीएड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने के मद्देनजर राष्ट्रीय तकनीकी परिषद (एनसीटीई) के मानक के अनुसार भवन निर्माण कराए जाने की मंजूरी

कार्य परिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

भी दी।

इसके साथ ही कार्य परिषद के सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए क्रय की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इग्नू के प्रति कुलपति प्रो. आरपी दास, गोविंद शेखर, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. पीपी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
युवा
हिन्दुस्तान 06

आज का दिन: 1967 में बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला का हरियाणा के अंबाला में जन्म हुआ।

बीएड एवं स्पेशल बीएड के लिए बनेगा मॉडल स्कूल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं स्पेशल बीएड के लिए विवि में मॉडल स्कूल तैयार किया जाएगा। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन का निर्माण कराने के लिए कार्य परिषद ने अंतिम मुहर लगा दी है। कुलपति प्रो. सीमा सिंह की अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक हुई। जिसमें कई अहम निर्णयों पर मुहर लगी। बैठक में शिक्षाशास्त्र विभाग में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई।

वर्ष: 31, अंक: 157
वाराणसी, शनिवार
13 नवम्बर, 2021
पृष्ठ: 8
मूल्य: ₹3
काशीवार्ता
kashivarta.com kashivartalive.in

कम पढ़े-लिखे व्यक्ति भी अब ले सकेंगे कौशल विकास प्रमाण पत्र

छत्रसाल सिंह बने शिक्षा शास्त्र में प्रोफेसर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निर्णय लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है। कार्यपरिषद ने बीएड एवं बीएड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आरपी दास, गोविंद शेखर, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. पीके पांडे, प्रो. सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी पी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

www. morningteanews.com
मोर्निंग टी
जज्बा सच कहने का
RNI-UPHIN/2015/65485
प्रयागराज, शनिवार, 13 नवम्बर 2021 नगर संस्करण, पृष्ठ - 8 मूल्य - 1.00 रू

छत्रसाल सिंह बने शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर

मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने कई अहम निर्णय लिए

राम कुमार प्रजापति
मोर्निंग टी न्यूज

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी आज खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निर्णय लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है।

कार्यपरिषद ने बी एड एवं बी एड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही कार्यपरिषद सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आर पी दास, श्री गोविंद शेखर, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी पी दुबे एवं वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्य परिषद के सदस्य न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं इग्नू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आर पी दास का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक: 353
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शनिवार 13 नवम्बर 2021
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुक्त विवि की कार्यपरिषद में लिए गए कई अहम निर्णय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण निणर्य लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी आज खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने का निणर्य लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े-लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है। कार्य परिषद ने बीएड एवं बीएड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही कार्य परिषद सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निणर्य लिया।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि इग्नू के प्रति कुलपति प्रो. आर.पी दास, गोविंद शेखर, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पी.के पांडे, प्रो. सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी.पी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

● वर्ष : 14
● अंक : 280
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 13 नवम्बर 2021
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने छत्रपाल सिंह को बनाया प्रोफ़ेसर, लिए अहम निर्णय

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक में शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफ़ेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी आज खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफ़ेसर के पद पर कार्यरत हैं। कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निर्णय लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है। कार्यपरिषद ने बी एड एवं बी एड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही कार्यपरिषद सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू के प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर आर पी दास, गोविंद शेखर, प्रोफ़ेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफ़ेसर पीके पांडे, प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी पी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रारंभ में कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कार्य परिषद के सदस्य न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं इग्नू के प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर आर पी दास का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

हर बात

प्रयागराज

छत्रसाल सिंह बने शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर :

मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निणन्य लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निणन्य लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख हैं।कार्यपरिषद ने बी एड एवं बी एड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही कार्यपरिषद सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निणन्य लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इगन्ू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आर पी दास, गोविंद शेखर, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी पी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्य परिषद के सदस्य न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं इगन्ू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आर पी दास का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

ग्वालियर
शनिवार, 13 नवंबर 2021

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

■ ग्वालियर ■ भोपाल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

टंडन मुक्त विवि कार्यपरिषद ने लिये कई अहम निर्णय

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के कार्य परिषद की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी आज खोला गया।

जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निर्णय लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है। कार्यपरिषद ने बी एड एवं बी एड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शनिवार 13 नवम्बर 2021

छत्रसाल सिंह बने शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर

मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने लिए कई अहम निर्णय

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्य परिषद की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण निणन्य लिए गए। शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर पद की चयन समिति का लिफाफा भी आज खोला गया। जिसमें कार्यपरिषद ने डॉ. छत्रसाल सिंह के चयन पर मुहर लगाई। डॉ सिंह अभी जवाहरलाल नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। कार्यपरिषद ने आगामी सत्र से कई नए कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का निणन्य लिया। जिसमें प्रमुख रुप से कर्मकांड एवं ज्योतिष में डिप्लोमा तथा निरक्षर एवं कम पढ़े लिखे व्यक्तियों हेतु कौशल विकास में प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रमुख है। कार्यपरिषद ने बी एड एवं बी एड स्पेशल कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में मॉडल स्कूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एनसीटीई के मानकानुसार भवन निर्माण कराये जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही कार्यपरिषद सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के लिए की गई भूमि की चहारदीवारी एवं भवन निर्माण कराए जाने का निणन्य लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इगन्ू के प्रति कुलपति प्रोफेसर आर पी दास, गोविंद शेखर, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पी पी दुबे एवं वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
15 नवम्बर, 2021

कुलपति ने किया क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ का निरीक्षण

NAAC Peer team का विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के निरीक्षण/परीक्षण का कार्यक्रम निकट भविष्य में होना निर्धारित है। उक्त के दृष्टिगत दिनांक 15 नवम्बर, 2021 को माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ का निरीक्षण किया। मा0 कुलपति जी ने क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक को कार्यालय को साफ–सुथरा रखने हेतु निर्देशित किया।

हिन्दी दैनिक

R.N.I No. UPHIN/2014/59094

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

खबर वही जो सच हो...

प्रयागराज वर्ष : 07 अंक : 356 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया मंगलवार 16 नवम्बर 2021

Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुक्त विवि के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन, 25 नवम्बर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई 2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा सनतक परासनतक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 25 नवम्बर तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।

नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट-स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र-छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र-छात्राओं को उक्त सम्बंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवम्बर से बढ़ाकर 25 नवम्बर कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, नोएडा एवं अयोध्या से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर एक साथ संचालित की जा रही है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

www.tijaratnews.com

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट व स्मार्टफोन '25 नवंबर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई'

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र जुलाई -2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट व स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। डॉ यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, नोएडा एवं अयोध्या से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर एक साथ संचालित की जा रही है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन

25 नवम्बर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई

प्रयागराज हि.स.। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई 2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफेन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 25 नवम्बर तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट-स्मार्टफेन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र-छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र-छात्राओं को उक्त सम्बंध में सूचना उनके फेन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवम्बर से बढ़ाकर 25 नवम्बर कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, नोएडा एवं अयोध्या से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर एक साथ संचालित की जा रही है।

प्रयागराज, मंगलवार, 16 नवम्बर, 2021

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन

25 नवंबर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई -2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट/ स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। डॉ यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर 2021 कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

दैनिक

लोकमित्र

सच्चाई की जंग

www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन

25 नवंबर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई -2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट/ स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है।डॉ यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर 2021 कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, नोएडा एवं अयोध्या से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर एक साथ संचालित की जा रही है।

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

लखनऊ • मंगलवार • 16 नवंबर 2021

www.dailypioneer.com

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट और स्मार्टफोन

25 नवंबर तक प्रवेश तिथि बढ़ाई गयी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई 2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफेन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डा ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021.22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम प्रमाण पत्र कार्यक्रम डिप्लोमा कार्यक्रम पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। नोडल अधिकारी डा ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट स्मार्टफेन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है।

डा यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फेन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डा प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर 2021 कर दी है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार 16 नवम्बर 2021

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र जुलाई -2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा सनतक परासनतक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट, स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। डॉ यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने छात्र हित में प्रवेश की 15 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर कर दी है। प्रवेश के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट और वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, नोएडा एवं अयोध्या से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर एक साथ संचालित की जा रही है।

समाचारपत्र

Title Verified By RNI

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा टेबलेट, स्मार्टफोन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई -2021 के लिए प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण योजना को लागू किए जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम तथा स्नातक परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को 25 नवंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। जिससे प्रवेश के इच्छुक छात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। नोडल अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र जुलाई 2021 में सभी नामांकित छात्रों को टेबलेट/ स्मार्टफोन दिया जाएगा। छात्रों का डेटाबेस शासन द्वारा चयनित अधिकारी को नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए किसी भी छात्र छात्रा को कोई प्रार्थना पत्र एवं शुल्क नहीं देना है। डॉ यादव ने बताया कि अध्ययन केंद्र के छात्रों का नाम अपलोड किए गए डाटा में यदि कोई त्रुटि हो तो अध्ययन केंद्र समन्वयक नोडल अधिकारी को सूचित करेंगे। छात्र छात्राओं को उक्त संबंध में सूचना उनके फोन या ईमेल पर प्रेषित की जाएगी।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
16 नवम्बर, 2021

विश्वविद्यालय के हित में उठाए जा रहे सकारात्मक कदमों के प्रति शिक्षकों ने माननीया कुलपति का आभार व्यक्त किया

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

आज विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने मिलकर माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को विश्वविद्यालय के हित में उठाए जा रहे सकारात्मक कदमों के प्रति आभार व्यक्त किया और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण

इस मौके पर माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने विश्वविद्यालय के विकास में नए नए विचारों को आगे लाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि हम सभी शिक्षकों को मिलकर विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन के साथ–साथ आसपास के परिवेश को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना चाहिए।

इस मौके पर शिक्षकों ने योग, बागवानी और कौशल प्रशिक्षण संस्थान पर होने वाले कार्यक्रमों के संदर्भ में प्रस्ताव रखें जिस पर विचार विमर्श किया गया।

उन्होंने नैक टीम की विश्वविद्यालय में होने वाली विजिट को लेकर चल रही तैयारियों का भी निरीक्षण किया।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

16 नवम्बर, 2021

छत्रसाल सिंह बने शिक्षाशास्त्र में प्रोफेसर

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए प्रो0 छत्रसाल सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी

दिनांक 16 नवम्बर, 2021 को प्रो0 छत्रसाल सिंह ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इससे पूर्व उन्होंने विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
16 नवम्बर, 2021

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट करती हुई अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक), श्रीमती ललिता प्रदीप जी एवं उच्च शिक्षा निदेशक अर्थ, बेसिक शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज श्री राजेन्द्र प्रताप जी

आज दिनांक 16 नवम्बर, 2021 को अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक), श्रीमती ललिता प्रदीप जी एवं उच्च शिक्षा निदेशक अर्थ, बेसिक शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज श्री राजेन्द्र प्रताप जी ने माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योग कार्यक्रम पर चर्चा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, प्रो0 पी.पी. दुबे, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक विज्ञान, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक, श्री डी.पी. सिंह एवं असि. प्रोफेसर, योग, श्री अमित सिंह उपस्थित रहें।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन
18 नवम्बर, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुआ डे केयर सेंटर

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बच्चों के साथ बिताया वक्त

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा।

डे केयर सेंटर का उद्घाटन करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

इससे पूर्व कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह, निदेशकगण प्रो0 जी. एस. शुक्ल, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण
inext
NEXT CITY FOCUS

यूपीआरटीओयू में बच्चों के लिए डे केयर सेंटर का शुभारंभ

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

वीसी सीमा सिंह ने बच्चों के साथ बिताया वक्त, संचालिका को स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष ध्यान देने को कहा

डे केयर सेंटर में बच्चों से इंटरेक्ट करती वाइस चांसलर.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (18 Nov): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने गुरुवार को डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया. कुलपति ने सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए. डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है. बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं.

विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा. इससे पूर्व कुलपति का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया. इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह, निदेशकगण प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे.

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

कुलपति ने किया डे केयर सेंटर का उद्घाटन

छोटे बच्चों के साथ बिताया वक्त

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रों सीमा सिंह गुरुवार को डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह, निदेशकगण प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 28 | अंक : 17
प्रयागराज | शुक्रवार, 19 नवम्बर 2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुआ डे केयर सेंटर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया।इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा।इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह, निदेशकगण प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

• वर्ष : 14
• अंक : 286
• प्रातः कालीन संस्करण
• लखनऊ
• शुक्रवार, 19 नवम्बर 2021
• पृष्ठ : 12
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुआ डे केयर सेंटर

▸▸कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने बच्चों के साथ समय बिताय

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में गुरुवार को कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया।इस अवसर पर कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा।इससे पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह, निदेशकगण प्रोफ़ेसर जी एस शुक्ल, प्रोफ़ेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफ़ेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार 19 नवम्बर 2021

कुलपति सीमा सिंह ने बच्चों के साथ बिताया वक्त

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
प्रयागराज, वर्ष 31, अंक 68, शुक्रवार 19 नवम्बर, 2021 पृष्ठ 12 ₹4.00
www.swatantrachetnanews.com
कार्तिक पूर्णिमा, गुरुनानक जयंती आज

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुआ डे केयर सेंटर

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बच्चों के साथ बिताया वक्त

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ० मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ० साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ० पीपी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, निदेशक प्रोफेसर जीएस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

हर बात
शुक्रवार, 19 नवंबर 2021
प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुआ डे केयर सेंटर

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बच्चों के साथ बिताया वक्त

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताया।इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने डे केयर सेंटर की संचालिका को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति विशेष ध्यान रखा जाए। डे केयर सेंटर में बच्चों को खेल के साथ पढ़ाई का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बच्चों के मनोविनोद के लिए सेंटर पर कई सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं।

विश्वविद्यालय में स्थापित डे केयर सेंटर का लाभ आसपास के क्षेत्रों के कामकाजी लोगों को भी मिलेगा।इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत केंद्र प्रभारी डॉ मीरा पाल एवं सहप्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पी पी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह, निदेशकगण प्रोफेसर जी एस शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

18 नवम्बर, 2021

मुक्त चिन्तन

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान समारोह

‘उद्‌भव’

मुख्य अतिथि — **प्रो0 सीमा सिंह**, माननीया कुलपति जी

परीक्षा विभाग : दिनांक 18 नवम्बर 2022

परीक्षा विभाग परिवार आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है।

उत्तर प्रदे”ा राजर्षि टण्डन मुक्त वि”वविद्यालय के परीक्षा विभाग में दिनांक 18 नवम्बर, 2021 को **‘उद्‌भव’** कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यकम की मुख्य अतिथि वि”वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी रहीं। परीक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक सत्रांत परीक्षा आयोजित करने के पश्चात विभाग के कर्मचारियों के उत्साहवर्धन तथा उत्प्रेरण हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें कर्मचारियों को उन्हें उत्तम कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह आदि देकर सम्मानित किया जाता है। यह कार्यक्रम परीक्षा जून 2021 के सकुशल संपन्न होने के परिपेक्ष में आयोजित किया गया था। परीक्षा नियंत्रक श्री देवन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये इस कार्यक्रम को कराने का आ”ाय स्पष्ट किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रोग्राम के अन्तर्गत श्री परमानन्द उपाध्याय द्वारा लोकगीत का गायन, श्री अभिमन्यु द्वारा भजन का गायन प्रस्तुत किया गया। श्री ज्योतिमय भट्टाचार्य ने मिमिक्री आइटम प्रस्तुत की।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घटन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारी श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी तथा मंचासीन मा0 अतिथिगण एवं कुलगीत प्रस्तुत करती हुई परीक्षा विभाग की कर्मचारीगण।

मुख्य अतिथि वि”वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह
परीक्षा नियंत्रक

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने परीक्षा विभाग के कर्मचारियों के समर्पण तथा कठोर परिश्रम की विस्तृत चर्चा की। इसके अतिरिक्त परीक्षा कार्य में आने वाली कठिनाईयों से भी मुख्य अतिथि को अवगत कराया।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय कि शिक्षक एवं परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण

कार्यक्रम में कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह, उप कुलसचिव इंजीनियर श्रीसुखराम मथुरिया, प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ सी के सिंह , डॉ उपेंद्र नाथ तिवारी, डॉ सत्येंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सीमा सिंह ने किया।

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

अतिथि सम्मान

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह।

कुलसचिव
प्रा0 पी. पी. दुबे, वित्त अधिकारी
श्री ए. के. सिंह,
उप कुलसचिव
इं0 सुखराम मथुरिया, प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव
को
पुस्तक भेंट कर
उनका सम्मान
करते हुए
परीक्षा नियंत्रक
श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह

विश्वविद्यालय हित में पूरी क्षमता के साथ कार्य करें – कुलपति

मानीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुख्य अतिथि वि”वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी इस आयोजन से अत्यन्त प्रसन्न हुई। उन्होंने अपने उद्बोधन में परीक्षा विभाग व परीक्षा नियंत्रक से उपेक्षा की कि वि”वविद्यालय के अन्य विभागों को भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रेरित करें। मा0 कुलपति महोदया मुक्त कंठ से परीक्षा विभा के कर्मचारियों की प्र”ांसा की तथा उन्हें आगे भी ऐसे ही कार्य करने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा विभाग में आकर हमें सदा नई ऊर्जा महसूस होती है। उन्होंने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया तथा विश्वविद्यालय हित में पूरी क्षमता के साथ कार्य करने को प्रेरित किया।

मा0 कुलपति महोदया ने इस आयोजन के प्रेरणास्रोत व वि”वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के नेतृत्व क्षमता की प्र”ांसा करते हुए कु”ाल प्र”ाासक बताया।

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई श्रीमती सीमा सिंह, प्रोग्रामर, ईडीपी सेल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

राष्ट्रगान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
19 नवम्बर, 2021
मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर रानी लक्ष्मी बाई का मनाया गया जन्म उत्सव

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर रानी लक्ष्मी बाई के जन्मदिन के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

'चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी'

(आज समाचार सेवा)

झांसी, १९ नवम्बर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झांसी पर आज १९ नवम्बर को महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बड़ी धूमधाम से उनका जन्म दिवस मनाया गया। जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डा० रेखा त्रिपाठी और कर्मचारी आदि लोग मौजूद थे। डा० त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि २३ साल की उम्र और हौसले ऐसे की चट्टान भी हिल जाए। बड़े-बड़े हिम्मत नहीं कर पाते थे अंग्रेजों के सामने खड़े होने का वहां मर्दानी रानी ने लोहा लिया और विश्व को दिखा दिया कि नाजुक हाथ और कलाइयाँ जब अपने पर आते हैं तो क्या होता है, रास्ता सही हो तो (लड़ाइयाँ) मंजिलें आसान हो जाती हैं जहाँ आज २३ साल की लड़कियाँ अपने आपको सम्भाल नहीं पा रही हैं वहीं मनु छबीली ने अपने राज्य को सम्भाल कर उसके लिये स्वाभिमान के साथ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी पर इस उपलक्ष्य पर छात्र-छात्रायें भी उपस्थित रहें। जिसने रानी लक्ष्मी बाई पर लिखी कविता भी गायी है।

चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी।
बुन्देले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।

महारानी लक्ष्मीबाई को नमन करते हुए। छाया-आज

मनाया झाँसी रानी का जन्म उत्सव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बड़ी धूमधाम से उनका जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा की रानी लक्ष्मीबाई 23 साल की उम्र थी और हौसले ऐसे की चट्टान भी हिल जाए। बड़े-बड़े हिम्मत नहीं कर पाते थे अंग्रेजों के सामने खड़े होने का वहां मरदानी रानी ने लोहा लिया और विश्व को दिखा दिया कि नाजुक हाथ और कलाइयां जब अपने पर आते हैं तो क्या होता है। रास्ता सही हो तो मंजिलें असान हो जाती हैं। जहां आज 23 साल की लड़कियां अपने आप को संभाल नहीं पा रही हैं वही मनु छबीली ने अपने राज्य को संभाल कर उसके लिए स्वाभिमान के साथ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर छात्राओं द्वारा रानी लक्ष्मी बाई पर कविता बुंदेले हर बोले के मुंह हमने सुनी कहानी थी भी, चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी कविता का पाठ भी किया गया। वहीं, कुशवाहा समाज की महिलाओं ने रानी लक्ष्मीबाई का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर मुन्नी कुशवाहा नगर अध्यक्ष, कमलेश कुशवाहा, भारती, अर्चना, क्रांति, मंजू, पायल, विनीता, निकिता, सुनीता आदि उपस्थित रही।

मनाया झाँसी रानी का जन्म उत्सव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बड़ी धूमधाम से उनका जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा की रानी लक्ष्मीबाई 23 साल की उम्र थी और हौसले ऐसे की चट्टान भी हिल जाए। बड़े-बड़े हिम्मत नहीं कर पाते थे अंग्रेजों के सामने खड़े होने का वहां मरदानी रानी ने लोहा लिया और विश्व को दिखा दिया कि नाजुक हाथ और कलाइयां जब अपने पर आते हैं तो क्या होता है। रास्ता सही हो तो मंजिलें आसान हो जाती हैं। जहां आज 23 साल की लड़कियां अपने आप को संभाल नहीं पा रही हैं वही मनु छबीली ने अपने राज्य को संभाल कर उसके लिए स्वाभिमान के साथ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर छात्राओं द्वारा रानी लक्ष्मी बाई पर कविता 'बुंदेले हर बोले के मुंह हमने सुनी कहानी थी भी, चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी' कविता का पाठ भी किया गया।

SUNDAY TIMES OF INDIA
NOVEMBER 21, 2021

GRAJ CITY

UPRTOU to lauch five courses to help women become self-employed

Rajeev.Mani@timesgroup.com

Prayagraj: UP Rajashri Tandon Open University (UPRTOU) will launch five new vocational courses to help the women, specially those living in rural areas, generate income by starting a small business of their own.

The highlight of these new courses is that the 'students', who would be getting enrolled in the lone open university of the state, need not be literate and could be of any age. The only prerequisite would be their sincerity to pursue the courses which would be mainly short-term certificate courses.

The female candidates, who would be coming to pursue these courses, will not have to give any entrance test or approach the university with any recommendation.

"Since 1999, UPRTOU had started the initiative to make learning free of all technical glitches and reaching to those who were otherwise 'unreached'. Along with traditional degrees and diplomas, our focus has been on imparting education in professional courses too. These new courses are also a small effort to make the female folks, especially of the rural areas, a part of the university and its study centres while imparting them skills so that they can earn for themselves and become self-reliant," said varsity vice-chancellor Prof Seema Singh, who coincidentally is the first women VC of this lone open university of the state. The five courses that would be launched by UPRTOU include home gardening, handicrafts and embroidery, sewing, painting and cooking.

Director of the Centre for Internal Quality Assurance of the university, Prof Omji Gupta, said: "We had recently presented a proposal to the VC for starting these courses, following which she took approval from the Chancellor, Governor Anandiben Patel. Now, after the unanimous approval of the course in the meeting of the Executive Council held on November 12, the admission process could be started."

Giving details of the courses, Prof Singh told TOI that illiterate women can also take admission in any of the five streams of vocational courses. "There is no bar of age, minimum qualification or even the number of seats in these courses," she added.

"Admission for these courses would be given in the main campus of the university under the pilot project. Following the acceptance of the courses among the women folks and their response, this new system will be implemented in all the study centres spread across the state," said Prof Singh.

"Certificates will be given after a two-month training, which will be completely based on practicals," the V-C explained.

For representational purpose

SHORT-TERM COURSES

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

21 नवम्बर, 2021

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति

श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी

विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से आपको आपके जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

23 नवम्बर, 2021

दिनांक 23 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय में माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट एवं ऑनलाइन शिक्षा पर चर्चा करते हुए दत्तोपंत ठेगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के चेयरमैन श्री वृजेश उपाध्याय जी एवं दत्तोपंत ठेगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक, प्रयागराज श्री विश्व प्रकाश जी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रबन्धन अध्ययन विद्याशखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता एवं विज्ञान विद्याशखा के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष –06–अंक– 315, प्रयागराज शुक्रवार 26 नवम्बर 2021,पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण email: dainikkarmath@gmail.com

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 30 तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021.22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रमए प्रमाण पत्र कार्यक्रमए डिप्लोमा कार्यक्रमए पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमए स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवम्बर 2021 कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थियों की मांग पर 30 नवम्बर तक प्रवेश तिथि आगे बढ़ाई है। प्रदेश में विश्वविद्यालय के प्रयागराजए लखनऊए बरेलीए आगराए मेरठए कानपुरए झांसीए नोएडाए आजमगढ़ए वाराणसीए गोरखपुर तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित सभी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि वह केंद्र पर आने वाले सभी अभ्यर्थियों का 30 नवम्बर तक प्रवेश सुनिश्चित करें। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि बढ़ी हुई तिथि में लंबित प्रवेश प्रक्रिया का निस्तारण प्रवेश अनुभाग के साथ मिलकर किया जाए। साथ ही अध्ययन केंद्रों पर आने वाले प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में सरलतम ढंग से जानकारी दी जाए।

सभी प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 30 नवम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करा लें। जिसके पश्चात निश्चित समय के अंदर पाठ्य सामग्री डाक से उनके घर भेजी जाएगी।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी जो प्रोन्नत कर दिए गए हैंए वह भी 30 नवम्बर तक अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। विश्वविद्यालय के कई रोजगारपरक कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपने भविष्य को संवार सकते हैं ।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार 26 नवम्बर 2021

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 30 तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, सनतक एवं परासनतक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवम्बर कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक शिक्षाथिन्यों की मांग पर 30 नवम्बर तक प्रवेश तिथि आगे बढ़ाई है। प्रदेश में विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, कानपुर, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित सभी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि वह केंद्र पर आने वाले सभी अभ्यथिन्यों का 30 नवम्बर तक प्रवेश सुनिश्चित करें। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि बढ़ी हुई तिथि में लंबित प्रवेश प्रक्रिया का निस्तारण प्रवेश अनुभाग के साथ मिलकर किया जाए। साथ ही अध्ययन केंद्रों पर आने वाले प्रवेशाथिन्यों को विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में सरलतम ढंग से जानकारी दी जाए। सभी प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 30 नवम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करा लें। जिसके पश्चात निश्चित समय के अंदर पाठ्य सामग्री डाक से उनके घर भेजी जाएगी। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिनन कार्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी जो प्रोनन्त कर दिए गए है, वह भी 30 नवम्बर तक अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। विश्वविद्यालय के कई रोजगारपरक कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपने भविष्य को संवार सकते है।

समय से पहले समय पर नजर
न्यायाधीश
इलाहाबाद, लखनऊ और वाराणसी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र
प्रयागराज,शुक्रवार 26 नवम्बर, 2021

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 30 तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, सनतक एवं परासनतक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवम्बर 2021 कर दी गई है।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक शिक्षाथिन्यों की मांग पर 30 नवम्बर तक प्रवेश तिथि आगे बढ़ाई है। प्रदेश में विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, कानपुर, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित सभी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि वह केंद्र पर आने वाले सभी अभ्यथिन्यों का 30 नवम्बर तक प्रवेश सुनिश्चित करें। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि बढ़ी हुई तिथि में लंबित प्रवेश प्रक्रिया का निस्तारण प्रवेश अनुभाग के साथ मिलकर किया जाए। साथ ही अध्ययन केंद्रों पर आने वाले प्रवेशाथिन्यों को विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में सरलतम ढंग से जानकारी दी जाए।सभी प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 30 नवम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करा लें। जिसके पश्चात निश्चित समय के अंदर पाठ्य सामग्री डाक से उनके घर भेजी जाएगी।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिनन कार्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी जो प्रोनन्त कर दिए गए है, वह भी 30 नवम्बर तक अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। विश्वविद्यालय के कई रोजगारपरक कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपने भविष्य को संवार सकते हैं ।

प्रयागराज, शनिवार, 27 नवम्बर, 2021
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 30 तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवम्बर 2021 कर दी गई है।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थियों की मांग पर 30 नवम्बर तक प्रवेश तिथि आगे बढ़ाई है। प्रदेश में विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, कानपुर, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित सभी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि वह केंद्र पर आने वाले सभी अभ्यर्थियों का 30 नवम्बर तक प्रवेश सुनिश्चित करें। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि बढ़ी हुई तिथि में लंबित प्रवेश प्रक्रिया का निस्तारण प्रवेश अनुभाग के साथ मिलकर किया जाए। साथ ही अध्ययन केंद्रों पर आने वाले प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में सरलतम ढंग से जानकारी दी जाए। सभी प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 30 नवम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करा लें। जिसके पश्चात निश्चित समय के अंदर पाठ्य सामग्री डाक से उनके घर भेजी जाएगी।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी जो प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी 30 नवम्बर तक अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। विश्वविद्यालय के कई रोजगारपरक कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपने भविष्य को संवार सकते हैं ।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
26 नवम्बर, 2021

मुविव में भारत के संविधान के Preamble का सामूहिक पाठन

प्रो0 सीमा सिंह जी
कुलपति

भारत सरकार ने **''आजादी का अमृत महोत्सव''** की श्रृंखला के तहत दिनाँक 26 नवम्बर, 2021 को **संविधान दिवस** का आयोजन जन–भागीदारी के साथ आयोजित किये जाने को निर्णय के अनुक्रम में दिनाँक 26 नवम्बर, 2021 को पूर्वाह्न 11.00 बजे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के निर्देशानुसार उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विश्वविद्यालय के **सरस्वती परिसर** स्थित **लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार** में कराया गया, जिसमें कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों एवं प्रतिभागियों द्वारा भारत के संविधान के Preamble का सामूहिक पाठन मा. राष्ट्रपति महोदय के साथ किया गया।

मा. राष्ट्रपति महोदय के साथ भारत के संविधान के Preamble का सामूहिक पाठन करती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

26 नवम्बर, 2021

संविधान दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान

दिनाँक 26 नवम्बर, 2021 को **संविधान दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय की **समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान** में अपराह्न 03:00 बजे **''भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय''** विषय पर जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यान के मुख्य वक्ता **प्रो. अश्विनी दुबे, प्रोफेसर राजनीति विज्ञान, डॉ. शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ** रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की **माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह जी** ने की।

संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया।

डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव

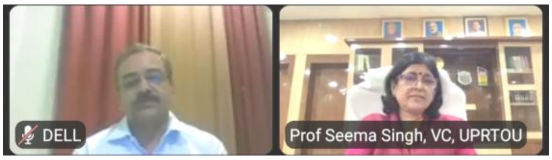

एक दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ. दीपf”ाखा श्रीवास्तव

मा. कुलपति जी, मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्या”ााखा के प्रभारी निदे”ाक प्रो. संतोषा कुमार

प्रो. संतोशा कुमार

एक दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित प्रतिभागीगण

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर – प्रोफेसर दुबे

प्रोफेसर अश्वनी दुबे

व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले।

भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है : प्रो0 सीमा सिंह

प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करती हुई उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है।

इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, श्री सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

धन्यवाद देते हुए सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

● वर्ष : 14
● अंक : 294
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 27 नवम्बर 2021
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

संविधान दिवस पर कुलपति ने शिक्षकों अधिकारियों के साथ संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा

▸▸, भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर: प्रो0 दुबे

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफ़ेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है। संयोजक प्रोफ़ेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।इससे पूर्व पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह के साथ संविधान के प्रियम्बुल का सामूहिक पाठन किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 12 अंक : 238, प्रयागराज, शनिवार 27 नवम्बर 2021, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर : प्रोफेसर दुबे

भारतीय संविधान सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेजः कुलपति

प्रयागराज । भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है।

उक्त विचार डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान के दौरान व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष –06–अंक– 316, प्रयागराज शनिवार 27 नवम्बर 2021,पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2078 प्रात: संस्करण email: dainikkarmath@gmail.com

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर – प्रोफेसर दुबे

प्रयागराज |उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिकए आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानताए स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता हैए जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले।अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है।

वर्ष : 28 | अंक : 25
प्रतापगढ़ | शनिवार , 27 नवम्बर-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर -प्रोफेसर दुबे

संविधान दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले।अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है।संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।इससे पूर्व आज पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के साथ संविधान के प्रियम्बुल का सामूहिक पाठन किया।

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर-प्रोफेसर दुबे

संविधान दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले।

अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नही बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है।संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।इससे पूर्व शुक्रवार पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के साथ संविधान के प्रियम्बुल का सामूहिक पाठन किया।

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज, शनिवार 27 नवम्बर, 2021

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर : प्रोफेसर दुबे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है। संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। इससे पूर्व आज पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के साथ संविधान के प्रियम्बुल का सामूहिक पाठन किया।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शनिवार 27 नवम्बर 2021

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसरः प्रो. दुबे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रो. सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, श्री सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

समाचारपत्र Title Verified By RNI

अनुराग दर्शन

भारतीय संविधान में विकास के समान अवसर – प्रोफेसर दुबे

संविधान दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान

(अनुराग शुक्ला) प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शुक्रवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति शास्त्र विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर अश्वनी दुबे ने भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय संविधान जहां सभी को समानता का अधिकार देता है वहीं कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुरक्षा के साथ ही समानता, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व पर बल देती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान असहाय तथा पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जिससे समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को उपेक्षित न महसूस कर सके और सभी को विकास का समान अवसर मिले।

अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। उन्होंने संविधान के निर्माण में भाग लेने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना ने देश को एक सूत्र में बांधकर सभी नागरिकों को समानता व स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम देश के एक अच्छे नागरिक बने और संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अंतर्गत समाज का विकास करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नियमों का ग्रंथ ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए विकास का सामाजिक दस्तावेज है।

संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद सह संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद यादव, डॉ अभिषेक सिंह समेत शोध छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

इससे पूर्व आज पूर्वाह्न विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के साथ संविधान के प्रियम्बुल का सामूहिक पाठन किया।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
27 नवम्बर, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केंद्र का नवीनीकृत स्थल पर शुभारंभ

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द

स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ करती हुई मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र का नवीनीकृत स्थल पर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र पर विश्वविद्यालय कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र को उच्चीकृत करने का निर्देश दिया एवं स्वास्थ्य संबंधी अन्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने हेतु आर्थिक सहायता की घोषणा की। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के तमाम क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये बीमारियों की रोकथाम, इलाज तथा रोग मुक्ति में मदद करती है और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रसार भी करती है। कोरोना काल में स्वास्थ्य के प्रति लोगों में सजगता बढ़ी है। विश्वविद्यालय भी इस दिशा में बेहतर प्रयास कर रहा है।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द

स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल के निर्देशन में स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में बाह्य रोगी विभाग ओपीडी में मेडिसिन, गाइनीकोलॉजी, दंत रोग, नेत्र रोग एवं होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता रहेगी।

साथ ही निदान, पैथोलॉजी कलेक्शन, ईसीजी तथा फिजियोथैरेपी की सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। स्वास्थ्य केंद्र में आज कुलपति, निदेशकों तथा शिक्षकों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

27 नवम्बर, 2021

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में कैंटीन का नवीनीकृत स्थल पर शुभारंभ

कैंटीन का शुभारंभ करती हुई मा० कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय कैंटीन का नवीनीकृत स्थल पर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अतिथिगृह/ कैंटीन के प्रभारी डॉ अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया तथा कैंटीन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। कैंटीन के नवीनीकृत होने से विश्वविद्यालय में आने वाले छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सुविधा होगी। इस अवसर पर प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर जीएस शुक्ला, प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, कुलसचिव प्रो. पी. पी. दुबे, परीक्षा नियंत्रक डी.पी. सिंह एवं विश्वविद्यालय के सह आचार्य ,सहायक आचार्य एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कैन्टिन प्रभारी डॉ० अभिषेक सिंह

विश्वविद्यालय कैंटीन के शुभारंभ पर उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण